शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

शैक्षिक गीतों एवं कविताओं का संकलन

काव्य मंजरी

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

संकलन- मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ # 9458278429

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

01

चार्ल्स डार्विन

12 फरवरी 1809 श्रोपशायर, इंग्लैंड में,
महान वैज्ञानिक डार्विन ने जन्म लिया।
1831 में बीगल पर समुद्री यात्रा करके,
सबसे महत्वपूर्ण घटना को अंजाम दिया॥

अल्फ्रेड रसेल वालेस के साथ,
संयुक्त प्रकाशन में हिस्सा लिया।
करके विभिन्न शोध चार्ल्स ने इसमें,
वैज्ञानिक सिद्धान्त का परिचय दिया॥

महान वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन ने,
सजीवों की पहचान करायी।
विविधता को समझने के लिए,
विकास के सिद्धान्त से सफलता पायी॥

जैव उद्विकास व प्राकृतिक चयन से,
विज्ञान जगत में खूब नाम किया।
19 अप्रैल 1882 यूनाइटेड किंगडम में,
चार्ल्स डार्विन ने नश्वर शरीर त्याग दिया॥

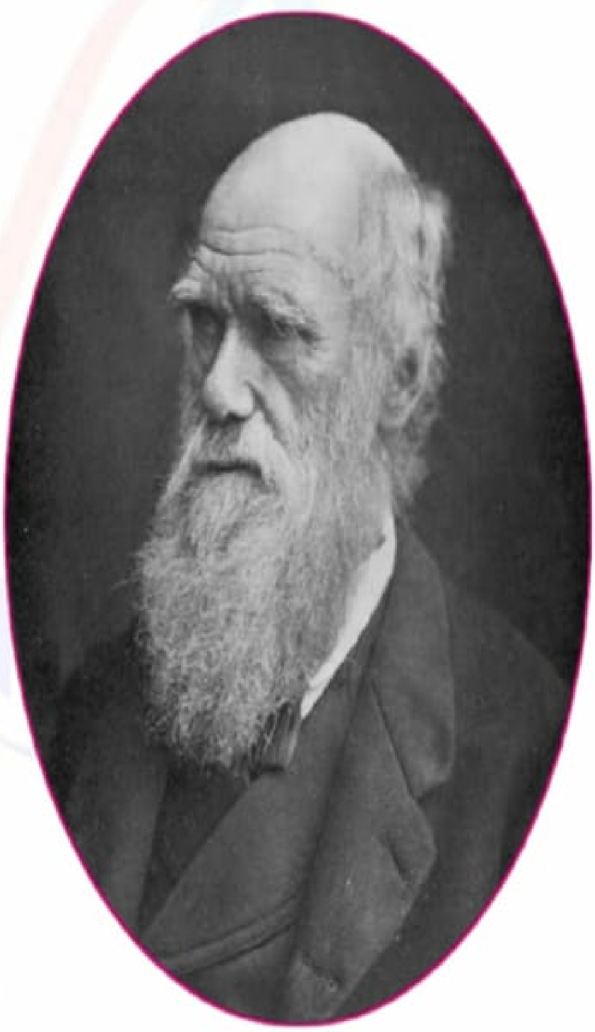

रचना:- शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

02

यूरी गागरिन

आउटर स्पेस में पहली बार,
अपना कदम रखने वाले।
'यूरी गागरिन' थे अन्तरिक्ष में,
सबसे पहले जाने वाले।।

9 मार्च 1934 को इस,
शख्स का जन्म हुआ।
16 साल की उम्र में,
'फाउंड्रीमैन' का रूप लिया।।

12 अप्रैल 1961 को,
उसने इतिहास रच दिया।
'मुस्ताक-1' में बैठ पृथ्वी की,
कक्षा में चक्कर लगा दिया।।

'मिग-15 ट्रेनिंग जेट' में,
हादसे का शिकार हो गया।
27 मार्च 1968 को,
वो दुनिया को छोड़ गया।।

रचना- पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

इब्नबतूता

03

जिज्ञासू खोजकर्ता थे वह विद्वान,
विश्व भ्रमण कर संग्रह करते ज्ञान।
इब्नबतूता था प्यारा उनका नाम,
मोरक्को था जिनका जन्म स्थान।।

24 फरवरी 1304 को हुआ जन्म,
यात्री बन 21 वर्ष में प्रारम्भ भ्रमण।
घूमकर मक्का, फ्रांस और यमन,
1333 में भारत भूमि में रखा कदम।।

मुहम्मद बिन तुगलक थे भारत सम्राट,
इब्नबतूता को दिया शाही ठाठ - बाट।
7 वर्षों तक काजी पद का रखा मान,
फिर दूत बनकर चीन गये ससम्मान।।

यात्रा को ज्ञान का साधन थे मानते,
भारत की संस्कृति को थे जानते।
रेहला पुस्तक मे यात्रा वृतान्त लिखे,
अरबी भाषा में पुस्तक वर्णन दिखे।।

रचना
सीमा मिश्रा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

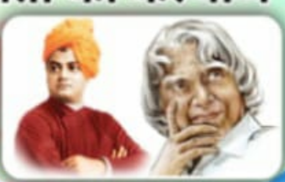

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

04

फाह्यान

फाह्यान पहला चीनी यात्री,
जिसने यात्रा-वृतान्त लिपिबद्ध किया।
रोचक संस्मरणों के माध्यम से,
भारतीय परिवेश जानने का अवसर दिया।।

उद्दियान, गंधार, तक्षशिला,
उच्छ, मथुरा, वाराणसी, गया।
गौतमबुद्ध जन्मस्थल, कपिलवस्तु,
पाटलिपुत्र में तीन वर्ष अध्ययन किया।।

फाह्यान चीन से रेशम-मार्ग पर,
होते हुए पैदल भारत आया।
सर्द-रेगिस्तानों, पहाड़ी-दर्रों से,
गुजर 'पाटलिपुत्र' पहुँच पाया।।

श्रीलंका, जावाद्वीप जा पहुँचा,
बौद्ध-धर्म का ज्ञान किया।
मिलकर अन्य विद्वानों के साथ,
बौद्ध देशों का वृतान्त लिख दिया।।

रचयिता- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

05

कल्पना चावला

हरियाणा की जमीन पर थी उतरी,
कल्पना चावला थी अन्तरिक्ष परी।
आसमान में उड़ने का था सपना,
सारे जहाँ को बना लिया अपना।।

कोर्स किया इंजीनियरिंग का,
आगे पढ़ने चली गयी अमेरिका।
उडा़न भरी पहली कोलम्बिया में,
द्वितीय भारतीय थी अन्तरिक्ष में।।

नासा को उसने ज्वाइन किया,
फिर से अन्तरिक्ष का दौरा किया।
धमाका हुआ था जब शटल में,
कल्पना का काफिला था उसमें।।

कल्पना तुम्हारा आत्म बलिदान,
बना गया भारतवर्ष को महान।
नमन करते हैं तुम्हें कोटि-कोटि,
तुम जैसी हो भारत की हर बेटी।।

रचना- सुमन शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- गढ़ी माली
छाता, मथुरा

समुद्री यात्री-ह्वेनसांग

चीन देश लुओयंग स्थान पर,
जन्मे ह्वेनसांग थे।
चार भाई-बहनों में सबसे,
छोटे ह्वेनसांग थे।।

206 ईसवी सन् जन्मे,
ह्वेनसांग महान थे।
एक दार्शनिक और घुमक्कड़,
अनुवादक भी सुजान थे।।

आठ साल की आयु में पाया,
बौद्ध भिक्षु बनने का सम्मान।
'प्रिंस ऑफ ट्रैवलर्स' नाम से,
ह्वेनसांग का जग में मान।।

'सी यू की' पुस्तक में संजोये,
भारत यात्रा के संस्मरण।
हर्षवर्धन सम्राट के समय,
हुआ था भारत में आगमन।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवां, सीतापुर

07

कोविल्हम

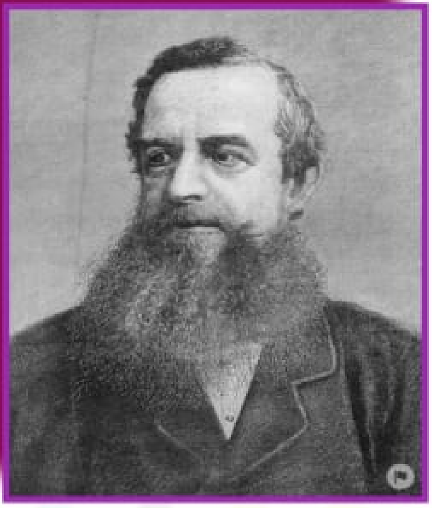

सन् 1487 में कोविल्लहम,
पुर्तगाली भारत में आया था।
मालाबार के तट पर उतरा,
और अगला कदम बढ़ाया था।।

सन 1487 में अफन्दो दा पावा,
जिसके साथ निकला यात्रा पर।
मिश्र होते हुए पहुँचा लालसागर,
अरब सागर से कुन्नूर के तट पर।।

जिसके साथ यात्रा शुरू की थी,
फिर उससे ना कभी मिल पाया।
अन्त में पहुँच गया था इथोपिया,
और सलाहकार का पद पाया।।

था कोविल्हम एक पुर्तगाली जासूस,
नये रास्तों की खोज से ख्याति पायी।
उसके द्वारा भेजी गयी जानकारी,
समुद्री अन्वेषण में काम आयी।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

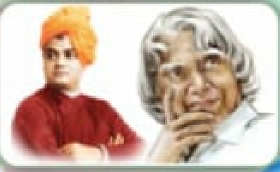

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

08

सुनीता विलियम्स

19 सितम्बर 1965 को जन्मी,
सुनीता विलियम्स है उनका नाम।
भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने,
अमेरिका में बनायी अपनी पहचान॥

195 दिन अन्तरिक्ष में बिताये,
विश्व कीर्तिमान बना महान।
पद्म विभूषण का सम्मान पाया,
दोनों देशों का बढ़ाया मान॥

बोस्टन मैराथन कर पूरा,
नासा की बढ़ायी शान।
कुछ भी नापना नहीं नामुमकिन,
चाहे जमीन हो या आसमान॥

हर नारी को किया गौरवान्वित,
हर बालिका को किया ऊर्जावान।
किया मुकाम ऐसा हासिल,
पूरी दुनिया में बनायी अपनी पहचान॥

रचना
मोनिका श्रीवास्तव (प्र०अ०)
प्रा० वि० दामोदरपुर
अमौली, फतेहपुर

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

09

क्रिस्टोफर कोलम्बस

सन चौदह सौ इक्यावन में,
क्रिस्टोफर कोलम्बस जन्मे।
इटली जिनोआ जन्म स्थान,
समुद्री नाविक थी पहचान।।

उनके पिता थे एक जुलाहा,
उन्होंने नाविक बनना चाहा।
लैटिन भाषा का था अच्छा ज्ञान,
उपनिवेशवादी बनायी पहचान।।

रानी इसाबेला के खर्च पर,
अमेरिका यात्रा की चार बार।
नयी दुनिया में उपनिवेशवाद का,
आरम्भ किया उन्होंने पहली बार।।

अटलांटिक महासागर यात्राओं से,
यूरोपीय व अमरीकी सम्पर्क बढ़ाये।
हिस्पैनिओला द्वीप पर बस्ती बसाने,
वाले पहले यूरोपियन कहलाये।।

रचना- रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
जानी, मेरठ

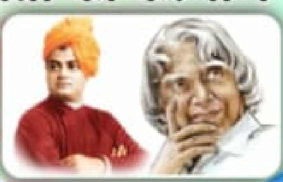

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

10

अन्वेषक- फर्डिनेण्ड मैगलन

गोल-गोल चक्कर पूरी दुनिया का लगाये,
महान फर्डिनेण्ड मैगलन अन्वेषक कहलाये।
पुर्तगाल में 3 फरवरी 1480 को जन्मे,
धनी परिवार में पले-बढ़े नाविक बन घूमे।।

मलेशिया का मसाला द्वीप खोजने के लिए,
स्पेन के चार्ल्स प्रथम से सहायता लिये।
पश्चिम से होकर मार्ग खोजने के लिए,
अपने साथियों संग नाव लेकर चल दिये।।

शान्त सागर को प्रशान्त महासागर नाम दिलाये,
पृथ्वी घूमते अफ्रीका और फिलीपीन्स आये।
सन् 1515 में भारत आ कई वर्ष बिताये।
दुनिया का चक्कर लगाने वाले प्रथम व्यक्ति कहलाये।।

अन्त में विक्टोरिया से आगे गये जो,
पाँच नावों संग यात्रा शुरू की गयी।
फिलीपीन्स आदिवासियों द्वारा सन् 1480 में,
जीवन लीला इनकी समाप्त कर दी गयी।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
क० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

11

नील आर्मस्ट्रांग

नील आर्मस्ट्रांग ने 15 अगस्त 1930 को,
वेपकनेटा ओहायो में जन्म पाया।
चन्द्रमा पर पहला कदम रखकर,
आपने दुनिया में नाम कमाया।।

इनके पिता स्टीफेन थे ऑडिटर,
इसलिए जगह-जगह भ्रमण होते थे।
हवाई जहाज का पहला सफर किया,
नील आर्मस्ट्रांग जब पाँच साल के छोटे थे।।

आप अमेरिका खगोलीय यात्री के साथ,
नौ सेना अधिकारी, और प्रोफेसर भी बने।
परीक्षण पायलट के पद पर रहकर,
लगभग नौ सौ से ज्यादा उड़ानें भरे।।

चन्द्रमा पर मानव रहित यान उतारा,
कई पुरस्कारों को अपने नाम कराया।
सेवा निवृत्ति लेने के बाद आपने,
एयरोस्पेस इंजीनियरिंग भी पढ़ाया।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

12

जेम्स कुक

दुनिया का ओर छोर ना था ज्ञात,
सब कुछ था एक रहस्य अज्ञात।
उस समय दौर चला खोज का,
खुद भी हिस्सा बने इस महायज्ञ का।।

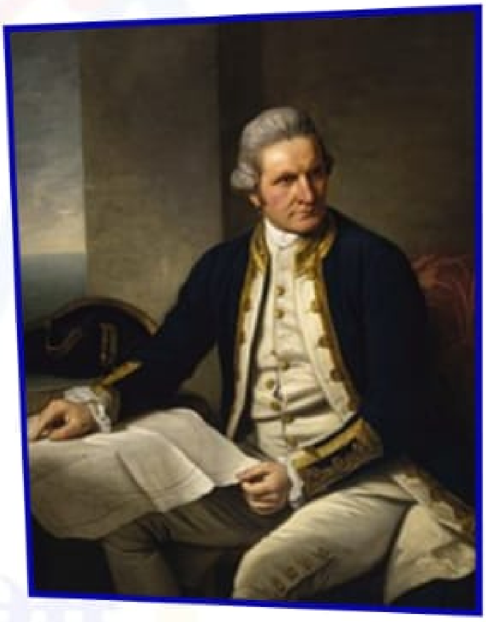

यॉर्कशायर के थे वह निवासी,
स्वभाव से थे निडर अदम्य साहसी।
1755 में रॉयल नेवी में हुए शामिल,
गणित और खगोल विज्ञान में थे काबिल।।

प्रशान्त महासागर की यात्राएँ की तीन,
ऑस्ट्रेलिया की 1770 ने की उन्होंने खोजबीन।
न्यूफाउंडलैंड का विस्तृत नक्शा बनाया,
साथ ही न्यूज़ीलैंड का चक्कर भी लगाया।।

नये-नये समुद्री रास्तों की करके खोज,
सारे विश्व में फैला उनका ओज।
नासा ने मरणोपरान्त दिया उनको सम्मान,
कुक के जहाज पर रखा अन्तरिक्ष शटल का नाम।।

रचना- इला सिंह (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० पनेरुवा
अमौली, फतेहपुर

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

13

मार्को पोलो

मार्को पोलो था वेनिस देश का वासी,
स्वभाव से था निडर और अदम्य साहसी।
वह बना खोजकर्ता और राजदूत,
निकोलस पोलो का था वह सपूत।।

सत्रह वर्ष की उम्र में की यात्रा प्रारम्भ,
उसी ने किया था नये मार्ग का शुभारम्भ।
वह था विश्व का पहला यूरोपीय नागरिक,
जिसने यह सफलता की थी हासिल।।

वेनिस से चीन तक पूरी की यात्रा,
साढ़े तीन वर्ष की लगी थी मात्रा।
1295 मे वेनिस में हुई उसकी वापसी,
लोगों की नजरों में बना वह साहसी।।

उसके बताये रास्तों से बना मुकाम,
पूर्व और पश्चिम के सम्बन्ध हुए आसान।
29 जनवरी 1324 को यह ज्योति बुझी,
पोलो की प्रसिद्धि युगों तक अमर हुई।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

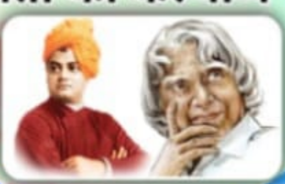

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

वास्को- डी-गामा

सम्भवतः जन्म चौदह सौ साठ में,
हुआ साइन्स पुर्तगाल में।
पिता एस्तेवाओ द गामा,
पायी शिक्षा एवोरा शहर में।।

अर्जित ज्ञान गणित नौवहन का,
और ज्ञान खगोल शास्त्र का।
समुद्री रास्तों के अन्वेषक,
इसाई धर्म के थे रक्षक ।।

बीस मई चौदह सौ अन्ठानबे को,
कालीकट तट पर आये थे।
स्वागत किया जामोरिन ने,
दोस्ती का हाथ बढ़ाये थे।।

भारत से व्यापार बढ़ाया,
मसालों के कारोबार में।
पुर्तगाल सामुद्रिक शक्ति बन,
उभरा यूरोपीय व्यापार में।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 खजनी
गोरखपुर

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

15

राजकुमार हेनरी

समुद्री यात्री राजकुमार हेनरी,
अफ्रीका व अटलांटिक की यात्रा की।
द्वीपों व नये मार्गों की खोज को,
जाने जाते हैं पुर्तगाली यात्री हेनरी।।

जन्म सन 1394 में हुआ पोर्टो पुर्तगाल में,
सम्भाली सैनिक बल की कमान 1415 में।
पुत्र पुर्तगाल के राजा जॉन प्रथम के,
बने अन्वेषक नये समुद्री मार्गों के।।

भूमध्य सागर से ना था कोई तट,
अभियान लक्ष्य अफ्रीका पश्चिमी तट।
शोध संस्थान की किये स्थापना,
उद्देश्य नेविगेशन तकनीक था जानना।।

एशिया के लिए जलमार्ग खोजा,
पुर्तगाली समुद्री व्यापार को बढ़ाया।
नौवहन बढ़ाने के साथ-साथ,
ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार किया।।

रचना

सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

16

अन्तरिक्ष यात्री राकेश शर्मा

13 जनवरी 1949 को तृप्ता ने,
जन्मा एक दुलारा था।
पिता देवेन्द्रनाथ पटियाला का,
सबकी आँखों का तारा था।।

वह दिव्य ज्योति बालक था,
जिसका NDA में चयन हुआ।
प्रशिक्षण पश्चात 1970 में,
पायलट बन सिरमौर हुआ।।

उड़ाते थे लड़ाकू विमान,
अपनी क्षमता का इजहार किया।
वर्ष 1971 में भारत-पाक युद्ध में,
देश को सम्मान दिया।।

अपनी काबिलियत के बल पर,
अन्तरिक्ष में भारत का झण्डा गाड़ दिया।
पूछा इन्दिरा जी ने अन्तरिक्ष से भारत कैसा दिखता है?
बोला दुनिया में सबसे प्यारा हिन्दुस्तान दिखता है।।

नीलम सिंह (स०अ०)
पूर्व मा०वि० रतनगढ़ी
हाथरस, हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख अन्तरिक्ष व समुद्री यात्री

रचनाकारों की सूची

01- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
02- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
03- सीमा मिश्रा, फतेहपुर
04- नैमिष शर्मा, मथुरा
05- सुमन शर्मा, मथुरा
06- शिखा वर्मा, सीतापुर
07- भुवन प्रकाश, सीतापुर
08- मोनिका श्रीवास्तव, फतेहपुर
09- रीना काकरान, मेरठ
10- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
11- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
12- इला सिंह, फतेहपुर
13- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
14- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
15- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
16- नीलम सिंह, हाथरस

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा
2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन- काव्य मंजरी टीम